

चकार मण्यव्यवसायबुद्धिम् KUMĀRAS. 4, 45. राज्यविशेषः खं चक्रुः RĀ-  
ĠA-TAR. 1, 375. यो (शोकानलः) विवेकजलधरश्चैरपि न ऽक्रियते PRAB.  
82, 13.

मन्दीभू (मन्द + 1. भू), भवति *schwach* —, *matt werden*; *sich verrin-  
gern*: दिवसस्याष्टमे भागे भूते दिवाकरे Cit. aus der SMṚTI beim Schol.  
zu H. 141. MBH. 7, 3666. भूते समाजे 1, 5372.

मन्दीर 1) m. wohl N. pr. eines Mannes: न वै गावो मन्दीरस्य गङ्गाया  
उदकं पपुः KĀTJ. ÇR. 13, 3, 21. — 2) n. fehlerhaft für मञ्जीर H. Ç. 134.

मन्डु (von 1. मद्, मन्द) adj. *fröhlich, begeistert* NAIGH. 4, 1. Nir. 4, 12.  
इन्नेण सं हि दत्ते संजग्मानो धविभ्युया । मन्द संमानवर्चसा (nach Pa-  
dap. du., nach Nir. du. oder instr. sg.) RV. 4, 6, 7. मन्द कृतप्रयसा वितु  
यज्य 10, 61, 15.

मन्डुरा UNĀDIS. 1, 39. f. 1) *Pferdestall* AK. 2, 2, 6. H. 998. MED. r. 201.  
HALĀJ. 2, 141. RAGH. 16, 41. PĀNĀT. in Ind. St. 3, 370, 14 (die Stelle  
scheint verdorben zu sein). — 2) *Matratze* MED.

मन्देह m. pl. 1) *eine Art von Rākshasa* R. 4, 40, 42. — 2) Bez. der  
Çūdra in Kuçadvīpa VP. 2, 4, 15 bei Muir, ST. 4, 192, N. 13 (S. 199  
bei Wilson).

मन्दोच्च (मन्द + उ०) m. *die obere Absis einer Planetenbahn* SŪRJAS.  
1, 54. 57. 2, 1. 10. 29.

मन्दोदरी (मन्द + उदर) f. N. pr. 1) *der ältesten Gemahlin Rāvaṇa's*,  
einer Tochter Maja's, MBH. 3, 16181. R. 5, 14, 30. 24, 36. 36, 87. 6, 33, 8.  
95, 2. KATHĀS. 43, 144. BHĀG. P. 9, 10, 24. Inschr. in Journ. of the Am.  
Or. S. 7, 23, Çl. 3. Verz. d. B. H. No. 343. 1209. Verz. d. Oxf. H. 139,  
b, 12. मन्दोदरोश m. Bein. Rāvaṇa's TRIK. 2, 8, 6. सुत m. *der Sohn der*  
M. d. i. Indraġit H. 706. GAṬĀDH. im ÇKDR. — 2) *einer der Mütter*  
im Gefolge des Skanda MBH. 9, 2635. — 3) *der Mutter des Lexico-  
graphen Gaṭādhara* Verz. d. Oxf. H. 189, b, No. 434.

मन्दोल (मन्द + उ०) adj. *lauwarm* AK. 4, 1, 2, 36. H. 1386.

मन्त्र (von 1. मद्, मन्द) UNĀDIS. 2, 13. 1) adj. f. या a) *lieblich klingend*,  
— *redend, wohlklingend* NAIGH. 4, 11. होतर RV. 4, 26, 7. 36, 5. 7, 8, 2.  
9, 1. 2. 10, 5. compar. 3, 7, 9. superl. 4, 22, 1. Agni 1, 144, 7. 3, 1, 17. 5.  
11, 3. 6, 39, 1. 7, 7, 1. अग्निर्मन्त्रो मधुवचा सृतावा (vgl. मन्त्रजिह्वा). जिह्वा  
5, 26, 1. 6, 16, 2. 7, 16, 9. जुह्व 1, 76, 5. वाच् 8, 89, 11. ÇĀNKH. GRHJ. 1, 24.  
हरयः RV. 4, 100, 16. 3, 43, 1. धारा 9, 6, 1. 107, 8. die Marut 4, 166, 11.  
— b) *angenehm, lieblich*: अति यो मन्त्रो यज्ञाय देवः RV. 2, 28, 1. मद्.  
4, 26, 6. VS. 27, 15. AV. 12, 1, 57. अग्निं मन्त्रं पुरुप्रियं हृदिर्मन्त्रेभिरीमहे  
*mit frohem Herzen* RV. 8, 43, 31. Soma 9, 65, 29. 67, 1. 68, 6. तं नोक्तं  
चित्रशोचिषं मन्त्रं पुरो मन्त्रीषया 5, 17, 2. Ārjamaṇ 6, 48, 14. — c) *dumpf*,  
*tief*, von der Stimme und anderen Lauten, AK. 4, 1, 2, 2. H. 1402. 1409.  
HALĀJ. 1, 140. मन्त्रया वाचा प्रातःसवनं शंसेत् वलीयस्या, वलिष्ठतमया  
AIT. Br. 3, 44. ÇĀNKH. ÇR. 1, 14, 24. 8, 14, 1. ०स्वर LĪTJ. 1, 11, 26. PRA-  
JOGAR. 3, b, 1. ĀÇV. GRHJ. 2, 15. मन्त्रेण 4, 13. 5, 1. drei Sthāna: मन्त्र,  
मध्यम, उत्तम RV. PĀT. 13, 17. Ind. St. 4, 103. fg. 8, 261. fgg. मन्त्र, मध्य,  
तार (नाद) Verz. d. Oxf. H. 200, b, 3. ०धनित्याजितयामतूर्य (अर्षव) RAGH.  
6, 56. ०मिगधैर्धनिभिः MEGH. 97 (vgl. Schütz's Uebers.). ०कण्ठगर्जितेन  
VIKR. 65, 11. ०स्वनेः VARĀH. BRH. S. 12, 6. 21, 16. 24, 1. 19. ०ध्यानघन  
PRAB. 73, 9. adv.: तालीषु तारं विटपेषु मन्त्रं शिलासु वृत्तं सलिलेषु च

एडम् । संगीतवीणा इव ताड्यमानास्तालानुसारेण पतति धाराः ॥ MĀNĀH.  
92, 13. उत्तरमन्त्रा f. *heisst eine best. Laute* (Comm.) oder *eine Weise*  
ÇAT. Br. 13, 4, 2, 8. KĀTJ. ÇR. 20, 2, 7. 3, 5. — 2) m. a) *eine Art Trommel*  
TRIK. 1, 1, 120. — b) *eine Elephantenart* H. 1218, v. l. R. 4, 6, 24. Vgl.  
मन्द, भद्र० (unter भद्रमन्द), भद्रमन्त्रमृग, मृगमन्त्र. — Vgl. अति०, घा०,  
पुरु०, मान्द्र.

मन्त्रजिह्वा (म० + जिह्वा) adj. *eine liebliche Stimme führend*: होतर  
RV. 4, 142, 8. 5, 23, 2. Agni 4, 11, 3. TS. 1, 6, 2, 2. Brhaspati RV. 1,  
190, 1. 4, 30, 1. Savitar 6, 71, 4.

मन्त्रैष्य (von मन्त्र), ऽपते = *अर्चति* NAIGH. 3, 14.

मन्त्रयै (von मन्त्रय) adj. *fröhlich oder lieblich klingend*: प्र वो धियो मन्त्र-  
युवो विपन्युवः पनस्युवः संवसन्नेषक्रमः RV. 9, 86, 17.

मन्त्रज्ञनी (मन्त्र + ज्ञ०) adj. *f. liebliche Töne aussendend*; *die Zunge*;  
= वाच् NAIGH. 1, 11. उपै मतिः पृथ्यते सिध्यते मधु मन्त्रज्ञनी चोदते घृत्त-  
रासनि RV. 9, 69, 2.

मन्थ m. *eine Gazellenart* SHADY. Br. 6, 8 in Ind. St. 4, 40. मन्थ Comm.

मन्धातर (मन् = मनस् + धा०) m. 1) so v. a. *मेधाविन्* NAIGH. 3, 15.  
*der Sinnige, Denker*; auch so v. a. *der Andächtige, Fromme*: मन्धातुर्द-  
स्युक्तंममग्निं यज्ञेषु पूर्यम् RV. 8, 39, 8. एवेन्द्राग्निभ्यां पितृवन्नवीयो म-  
न्धातुवर्दङ्गस्वर्वाचि 40, 12. (अग्ने) मन्धातामि द्रविणोदा सृतावा 10, 2, 2.  
मन्धातारं तैत्रेपत्येषावतम् 1, 112, 13. Sū. meist als N. pr.; vgl. मान्धा-  
तर. — 2) N. pr. eines Mannes ĀÇV. ÇR. 12, 10.

मन्मथ (von मन्थ) 1) m. a) *Geschlechtsliebe, der Liebesgott* AK. 4, 1,  
2, 20. TRIK. 3, 3, 199. H. 227. MED. th. 22. HALĀJ. 1, 32. मां मन्मथीव म-  
न्मथः MBH. 1, 6555. INDR. 5, 3. Hip. 4, 32. मानसं कामिनीनां तुदति का-  
मयापो मन्मथोदीपनाय Rt. 6, 27. अयुषशात० 1, 1. जनस्य चित्तं क्रियते  
समन्मथम् *verliebt* 5. प्रबोध्यते सुप्त इवाय मन्मथः 8. परेतमन्मथो जनः  
*Nichts von Liebe wissend* ÇĀK. 51. मदालोकसंज्ञातमन्मथा KATHĀS. 37, 101.  
66, 40. मयूरी मन्मथाविष्टाम् R. 3, 79, 15. साक्षादिव स्थितं मूर्त्या मन्मथं त्र-  
पसंपदा MBH. 3, 2132. MEGH. 72. Spr. 2318. 3713. BRAHMA-P. in LA. (II) 33,  
22. Ver. ebend. 19, 9. PĀNĀT. 216, 17. Verz. d. Oxf. H. 97, b, 6. ०मतनिवर्तुण  
230, b, 33. साक्षान्मन्मथमन्मथः *ein den Liebesgott aufregender Liebesgott*  
BHĀG. P. 10, 32, 2. — b) *Feronia elephantum* Corr. AK. 2, 4, 2, 1. TRIK.  
MED. — c) Bez. des 29ten (5ten) Jahres im 60jährigen Jupitercyclus  
VARĀH. BRH. S. 8, 38. Verz. d. Oxf. H. 331, b, No. 782. Journ. of the  
Am. Or. S. 6, 180. — d) N. pr. eines Arztes, vollständig श्रीनरवैद्य० (!)  
Verz. d. B. H. No. 950. — 2) f. श्री N. der Dākshajāṇi auf dem He-  
makūṭa Verz. d. Oxf. H. 39, b, 32. — Vgl. मान्मथ.

मन्मथकर (म० + 1. कर) m. Bez. eines Wesens im Gefolge des Skanda  
(*der Liebeerzeuger*) MBH. 9, 2574.

मन्मथलेख (म० + लेख) m. *Liebesbrief* ÇĀK. 74. Verz. d. Oxf. H. 143, a, 38.

मन्मथानन्द (मन्मथ + आ०) m. *eine Mangoart* (महाराजचूत) RĀGĀN.  
im ÇKDR.

मन्मथालय (मन्मथ + आ०) m. *der Mangobaum* RĀGĀN. im ÇKDR.

मन्मथिन् (von मन्मथ) adj. *verliebt* WILSON.

मन्मथेश्वरतीर्थ (मन्मथ - ई० + तीर्थ) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d.  
Oxf. H. 66, b, 12.

मैमन् (von मन्) n. 1) *Sinn, Gedanke, Verstandnis; geistige Thätig-*